ED-353

M.A. 2nd Semester
Examination, May-June 2021

HINDI

Paper - VII

आधुनिक काव्य—2
(प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं
समकालीन कविता)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) हम निहारते रूप,
काँच के पीछे
हाँप रही है मछली।
रूप-तृषा भी
(और काँच के पीछे)
है जिजीविषा।

अथवा

किन्तु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं हैं।

स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के।

किन्तु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।

हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।

पैर उखड़ेंगे। प्लवन होगा। ढहेंगे। सहेंगे। बह जायेंगे।

और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते?

रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे।

अनुपयोगी ही बनायेंगे।

(ख) वह रहस्यमय व्यक्ति

अब तक न पायी गयी मेरी अभिव्यक्ति है,

पूर्ण अवस्था वह

निज-सम्भावनाओं, निहित प्रभाओं, प्रतिभाओं की

मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव,

हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,

आत्मा की प्रतिमा।

अथवा

ओ मेरे आदर्शवादी मन,
ओ मेरे सिद्धान्तवादी मन,
अब तक क्या किया?
जीवन क्या जिया!!
उदरम्भरि बन अनात्म बन गये,
भूतों की शादी में क़नात से तन गये,
किसी व्यभिचार के बन गये बिस्तर,
दु:खों के दाग़ों को तमगों-सा पहना,
अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना,
असंग बुद्धि व अकेले में सहना,
जिन्दगी निष्क्रिय बन गयी तलधर,

(ग) कर गयी चाक
तिमिर का सीना
जोत की फाँक
यह तुम थीं
सिकुड़ गयी रग-रग
झुलस गया अंग-अंग
बनाकर ठूँठ छोड़ गया पतझार
उलंग असगुन-सा खड़ा रहा कचनार
अचानक उमगी डालों की सन्धि में
छरहरी टहनी
पोर-पोर में गसे थे टूसे
यह तुम थीं।

अथवा

हँसो तुम पर निगाह रखी जा रही है
हँसो अपने पर न हँसना क्योंकि उसकी कड़वाहट
पकड़ ली जायेगी और तुम मारे जाओगे
ऐसे हँसो कि बहुत खुश न मालूम हो
वरना शक होगा कि यह शख़्स शर्म में
शामिल नहीं
और मारे जाओगे
हँसते-हँसते किसी को जानने मत दो किस
पर हँसते हो
सबको मानने दो कि तुम सबकी तरह परास्त
होकर
एक अपनापे की हँसी हँसते हो
जैसे सब हँसते हैं बोलने के बजाय।

2. अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए नई कविता में उनका स्थान निर्धारित कीजिए। 10

अथवा

कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से 'असाध्यवीणा' की समीक्षा कीजिए।

3. सिद्ध कीजिए कि 'अँधेरे में' अलगाव, आत्म संघर्ष और व्यक्तित्व के क्रांतिकारी रूपान्तरण की कविता है। 10

अथवा

'नई कविता' की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालते हुए उसकी सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

4. प्रगतिशील काव्य मूल्यों की दृष्टि से नागार्जुन की कविता का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

स्वातंत्रयोत्तर भारतीय यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में रघुवीर सहाय की कविताओं के महत्व पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(*i*) 'तारसप्तक' और प्रयोगवाद

(*ii*) प्रगतिवाद के उद्‌भव की पृष्ठभूमि

(*iii*) त्रिलोचन की कविता में लोक सौन्दर्य

(*iv*) विनोद कुमार शुक्ल की काव्यभाषा

(*v*) साढोत्तरी मोहभंग और धूमिल की कविता

(*vi*) नई कविता में मुक्तिबोध का स्थान

(*vii*) केदारनाथ अग्रवाल की कविता में प्रकृति

(*viii*) भवानी प्रसाद मिश्र का संक्षिप्त परिचय

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'आत्महत्या के विरुद्ध' किस कवि का काव्य संग्रह है ?

(*ii*) धूमिल के काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(*iii*) त्रिलोचन के किसी एक काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(*iv*) 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' किसका काव्य संग्रह है ?

(*v*) 'तारसप्तक' में शामिल किन्हीं दो कवियों का नाम लिखिए।

(*vi*) प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई ?

(*vii*) सज्जाद ज़हीर का सम्बन्ध किस साहित्यिक वाद से है ?

(*viii*) अज्ञेय के किसी एक काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(*ix*) कविता के नये प्रतिमान के केन्द्र में कौन कवि हैं ?

(*x*) धूमिल का पूरा नाम लिखिए।

(*xi*) 'फैंटेसी' का क्या अर्थ है ?

(*xii*) 'अँधेरे में' कविता सर्वप्रथम किस पत्रिका में प्रकाशित हुई ?

(*xiii*) 'गीतफरोभ' किसकी रचना है ?

(*xiv*) प्रगतिवाद के केन्द्र में कौन-सा दर्शन है ?

(*xv*) मुक्तिबोध के किसी एक काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

———